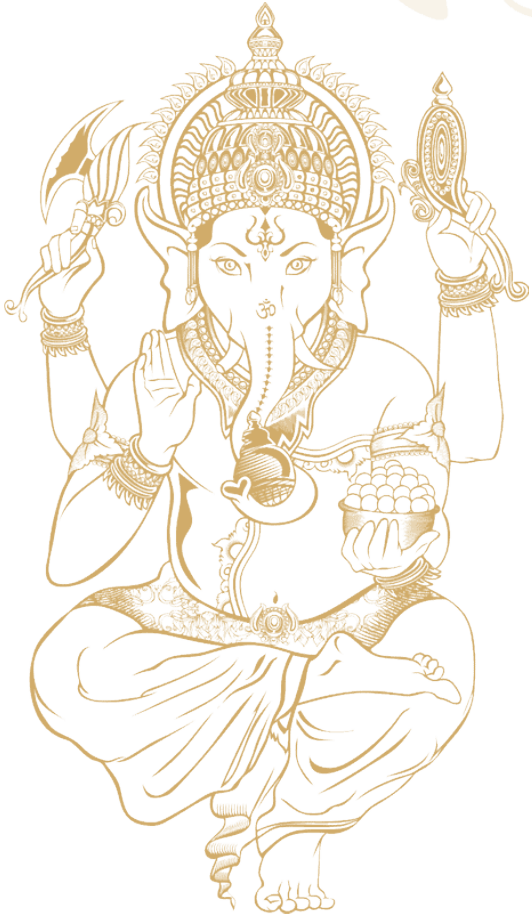

Diksha Mishra

24 Nov 2017

05:55 PM

Deoghar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121613903

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **24/11/2017**
दिन	: शुक्रवार
जन्म समय	: **17:55:00 घंटे**
इष्ट	: 29:33:36 घटी
स्थान	: **Deoghar**
राज्य	: Jharkhand
देश	: India

अक्षांश	: 24:31:00 उत्तर
रेखांश	: 86:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:16:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 18:11:48 घंटे
वेलान्तर	: 00:13:20 घंटे
साम्पातिक काल	: 22:26:25 घंटे
सूर्योदय	: 06:05:33 घंटे
सूर्यास्त	: 16:54:18 घंटे
दिनमान	: 10:48:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: हेमन्त
सूर्य के अंश	: 08:18:42 वृश्चिक
लग्न के अंश	: 24:37:15 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	: **मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	: **श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	: चन्द्र
योग	: वृद्धि
करण	: कौलव
गण	: देव
योनि	: वानर
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: वैश्य
वश्य	: जलचर
वर्ग	: मार्जार
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: भूमि
जन्म नामाक्षर	: खू-खूबचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	24:37:15	348:11:19	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	08:18:42	01:00:41	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मक	13:54:08	11:54:59	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
मंगल			कन्या	26:33:14	00:37:47	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
बुध			धनु	00:09:57	00:59:09	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	सम राशि
गुरु			तुला	15:37:05	00:12:36	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	27:15:56	01:15:23	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	स्वराशि
शनि			धनु	02:55:46	00:06:39	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कर्क	23:52:14	00:01:01	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		मक	23:52:14	00:01:01	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	01:05:22	00:01:48	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	---
नेप			कुंभ	17:21:47	00:00:04	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	23:31:30	00:01:33	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	10:38:36	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:13

लग्न-चलित

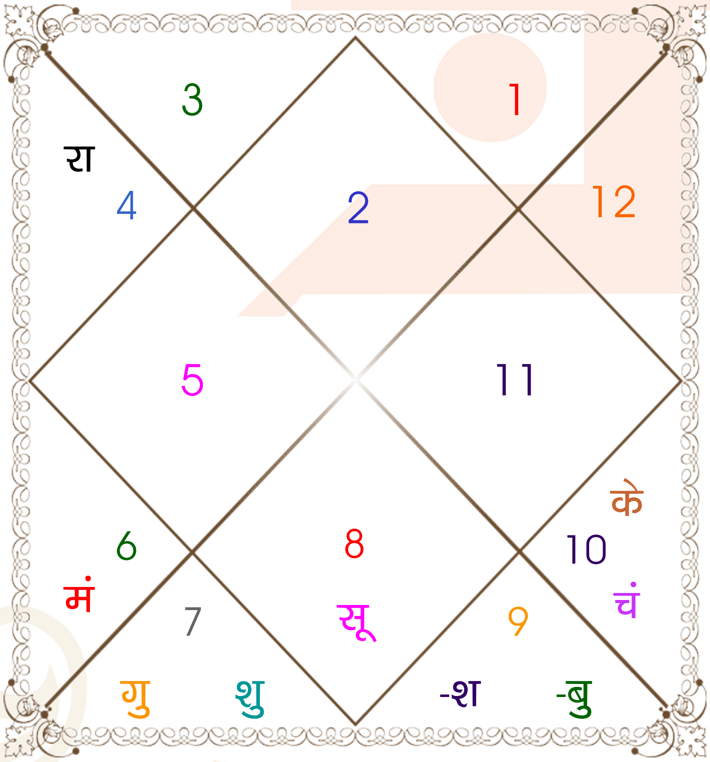

चन्द्र कुंडली

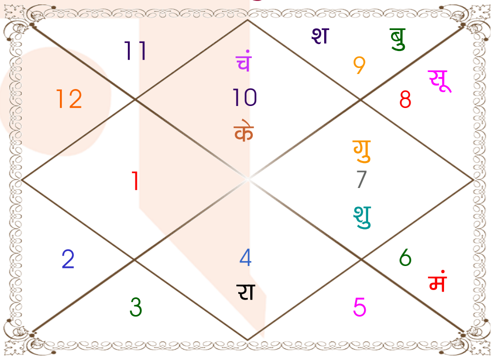

नवमांश कुंडली

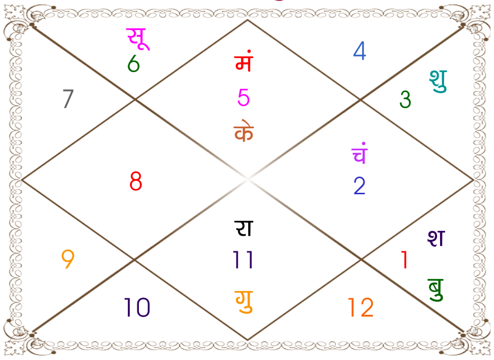

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 0 मास 26 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
24/11/2017		21/12/2024		22/12/2031		21/12/2049		21/12/2065	
21/12/2024		22/12/2031		21/12/2049		21/12/2065		21/12/2084	
	00/00/0000	मंगल	19/05/2025	राहु	03/09/2034	गुरु	08/02/2052	शनि	24/12/2068
	00/00/0000	राहु	06/06/2026	गुरु	26/01/2037	शनि	22/08/2054	बुध	03/09/2071
	24/11/2017	गुरु	13/05/2027	शनि	03/12/2039	बुध	26/11/2056	केतु	12/10/2072
गुरु	23/03/2019	शनि	21/06/2028	बुध	22/06/2042	केतु	02/11/2057	शुक्र	12/12/2075
शनि	21/10/2020	बुध	18/06/2029	केतु	10/07/2043	शुक्र	03/07/2060	सूर्य	23/11/2076
बुध	22/03/2022	केतु	14/11/2029	शुक्र	10/07/2046	सूर्य	22/04/2061	चंद्र	25/06/2078
केतु	21/10/2022	शुक्र	15/01/2031	सूर्य	04/06/2047	चंद्र	22/08/2062	मंगल	03/08/2079
शुक्र	21/06/2024	सूर्य	22/05/2031	चंद्र	02/12/2048	मंगल	28/07/2063	राहु	09/06/2082
सूर्य	21/12/2024	चंद्र	22/12/2031	मंगल	21/12/2049	राहु	21/12/2065	गुरु	21/12/2084

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
21/12/2084		22/12/2101		22/12/2108		22/12/2128		22/12/2134	
22/12/2101		22/12/2108		22/12/2128		22/12/2134		00/00/0000	
बुध	19/05/2087	केतु	20/05/2102	शुक्र	22/04/2112	सूर्य	10/04/2129	चंद्र	23/10/2135
केतु	16/05/2088	शुक्र	20/07/2103	सूर्य	23/04/2113	चंद्र	10/10/2129	मंगल	23/05/2136
शुक्र	16/03/2091	सूर्य	25/11/2103	चंद्र	22/12/2114	मंगल	15/02/2130	राहु	22/11/2137
सूर्य	21/01/2092	चंद्र	25/06/2104	मंगल	21/02/2116	राहु	10/01/2131	गुरु	25/11/2137
चंद्र	21/06/2093	मंगल	21/11/2104	राहु	21/02/2119	गुरु	29/10/2131		00/00/0000
मंगल	19/06/2094	राहु	10/12/2105	गुरु	22/10/2121	शनि	10/10/2132		00/00/0000
राहु	05/01/2097	गुरु	16/11/2106	शनि	22/12/2124	बुध	16/08/2133		00/00/0000
गुरु	13/04/2099	शनि	26/12/2107	बुध	23/10/2127	केतु	22/12/2133		00/00/0000
शनि	22/12/2101	बुध	22/12/2108	केतु	22/12/2128	शुक्र	22/12/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 0 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रुपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।